क्विक हील ने बुन्देलखण्ड को दिया आरोग्य वैन

राठ। उत्तर प्रदेश के सबसे पिछड़े क्षेत्र बुन्देलखण्ड के जनपद हमीरपुर की तहसील राठ व सरीला क्षेत्र के गांवों में स्वास्थ्य सेवाओं के कमी के चलते क्विक हील फाउडेंशन द्वारा सृजन एक सोच संस्था के सहयोग से मेडिकल मोबाइल वेन का शुभारंभ किया गया।

मोबाइल वेन को हरी झंडी क्विक हील फाउंडेशन की हेड अनुपमा काटकर व सृजन एक सोच के फाउंडर सीईओ प्रभात सक्सेना ने दिखाई। इस दौरान सृजन एक सोच द्वारा करीब एक दर्जन डॉक्टरों को भी सृजन हेल्थ हीरो अवार्ड से सम्मानित किया गया। साथ ही सृजन एक सोच द्वारा कोविड की दूसरी लहर के दौरान हुई मौतों के परिजनों को तीस तीस हजार रुपये की चेक भी बांटी गईं। इस दौरान गाँव के बच्चों की सुरक्षा के लिए प्राइमरी स्कूल के अध्यापको को पल्स आक्सीमीटर और टेम्परेचर मीटर ,मास्क, सैनेटाइजर से बनी किटें भी दी गईं। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए सृजन एक सोच के संस्थापक प्रभात सक्सेना ने कहा कि वे बुन्देलखण्ड के उत्थान व समाजहित में अनेकों काम लगातार करते आ रहे हैं। इसी क्रम में क्विक हील फाउंडेशन द्वारा जो मोबाइल मेडिकल वेन क्षेत्र के लिए दान में दी गई है। उससे क्षेत्र के गरीब ग्रामीणों को बड़ा लाभ मिलेगा। इसके साथ ही सृजन एक सोच द्वारा वेन में उपस्थित डॉक्टर के माध्यम से निःशुल्क दवाएं भी वितरित की जाएंगी। कहा कि वे क्विक हील फाउंडेशन का बहुत बहुत धन्यवाद देते हैं। क्विक हील फाउंडेशन की चेयरपर्सन अनुपमा काटकर ने कहा कि बुन्देलखण्ड को पिछड़ेपन और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी के चलते क्विक हील द्वारा क्षेत्र के लिए एक चलता फिरता हॉस्पिटल दिया गया है जो यहां के क्षेत्र के लिए बड़ा मददगार होगा। उन्होंने कहा कि उन्हें खुशी है कि वे इस पिछड़े क्षेत्र में काम कर पा रहीं हैं। क्विक हील के अजय शिरके ने कहा कि सृजन बहुत अच्छा काम किया। वह आने वाले समय में बुन्देलखण्ड के विकास के लिए और भी काम सृजन के साथ करती रहेंगी।

इस दौरान विधायक प्रतिनिधि भरत अनुरागी ने कहा सृजन एक सोच द्वारा लगातार क्षेत्र में जनकल्याण के अनेकों कार्यों को किया जा रहा है। जिसका सीधा लाभ ग्रामीणों को मिल रहा है। इस दौरान कार्यक्रम के दौरान डॉ संतोष सिंह, डॉ आर आर गुप्ता, डॉ सुभाष राजपूत, डॉ सुभाष, डॉ एचपी सिंह, सृजन के ऑपरेशन हेड रविन्द्र कुमार, कन्ट्री हेड विनय गुप्ता, पारुल, प्रशांत आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन शिवांक श्रीवास्तव व शालिनी तिवारी ने किया।